

7899

7067-

500Rs.



116
P
2511

18 JUN 2006

Sahar Singh

23000/-

Subor

29-6

46/00

46/00

A, 230-00

B, 452-00

C, 2-50

D, 0-96

278 = 44

23

29. 6.04

29/6

सदर क्लर

महानगर का 0338940

दिनांक 10-1-04 मीरत अर्थिक

पुलिस स्टेशन का

29/6/04

यह विक्रय पत्र आज दिनांक 29/6/04 ई० को इस प्रकार सम्पन्न होता है।

नाम लेख्यकारी। विक्रेता। का नाम व पता:-

लि०जहीरुद्दीन अन्सारी पिता स्व० शेख ब्रधन अन्सारी जाति मुस्लिम,
पेशा- खेतीबारी, निवासी ग्राम- कदल फुरहुरा टोली, पो० नेवरी विकास,
थाना- रौंची हाल थाना सदर जिला रौंची झारखण्ड राज्य।

भारतीय नागरिक - - - - - प्रथम पक्ष।

नाम लेख्यधारी। क्रेता। का नाम व पता:-

भाष्कर पिता श्री राजेन्द्र प्रसाद जाति -तेली। हिन्दु। पेशा- नौकरी
पता- रामेश्वरम, थाना + पो० बरियातु जिला रौंची, झारखण्ड राज्य।
भारतीय नागरिक - - - - - द्वितीय पक्ष।

लेख्य प्रकार- विक्रय पत्र। केवाला। बैला कलामी हमेशा के लिये।

लेख्य मूल्य- हरसम्पन्न मोवलिंग 23,000/- तेईस हजार रुपया में विक्री होता है।

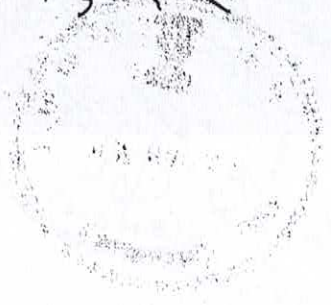
जहीरुद्दीन अन्सारी

29/6/04

3112 28/6/04

नाम अनक
पता राँची काँस विही 500+100X4+20+5X2=93
मुल्य 9301 कुल मुल्य
का पैर न्यायिक मुदांक दिमा कलकत्ता
हैं/० कुन्दन खन्ना
स्टाम्प भण्डार, राँची
35/1962

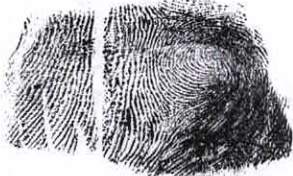
जही रूदीन अन्वसारी



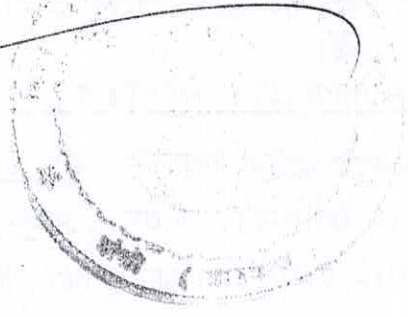
29. 6. 04

जही रूदीन अन्वसारी
शेख जयान अन्वसारी
कलकत्ता
दू किल्लन खती

र 252 01/04/29. 6. 04



जही रूदीन अन्वसारी



जही (अधीन कलकत्ता)

र 263 01/04/29. 6. 04



विहाल पदान विहाल पदान
विहाल पदान विहाल पदान

29. 6. 04



-2-

नाम जमीन्दार द्वारा खण्ड सरकार द्वारा अंचल कार्यालय कांके एवं सालाना मालगुजारी 0-50 पैसा अलावे शेष ।

क्रियवाली भू सम्पत्ति भूमि का विवरण:-

मवाजी $11\frac{1}{4}$ डीसमील जमीन दोनादो नम्बर हकीयत कायमी रैयती दखली लेख्यकारी हक वो हिस्सा वाके मौजा कदल, धानो - रॉची, धाना नं० 165 हाल धाना सदर जिला रॉची पर जमीन पड़ता है।

जिसका :-

खण्ड नं०	खाता नं०	प्लॉट नं०	सब प्लॉट नं०	रकबा मध्ये	रकबा
1 एक	26	196	196/घाट	1.05 ए	$11\frac{1}{4}$ डी०

॥उब्बीस॥ एक सौ छियानबे॥

जमीन नाम लोहरा पावा दोन है जिसमे से $11\frac{1}{4}$ डी० जमीन कम वो बेसी विक्री होता है। जमीन का नक्शा इस केवाला के साथ नत्थी किया गया है वो लाल रंग से रंगकर चिन्हित लिखकर दिखलाया गया है। जो इस दस्तावेज का अभिन्न अंग है जिसका चौहदी इस प्रकार है।

उत्तर- लेख्यधारी का खरीदगी जमीन प्लॉट नं० 195 से, एवं प्लॉटनं० 195 का शेष जमीन ।

दक्षिण- प्लॉट नं० 196 का शेष जमीन

पूरब - प्लॉट नं० 195 का शेष जमीन

पश्चिम- प्रस्तावित रास्ता 6 फीट का

मौतलके कलकत्ती वो डिस्ट्रीक्ट रजिस्ट्रार वो सब रजिस्ट्रार मोकाम रॉची के अन्तर्गत पड़ता है।

उपरोक्त जमीन मालगुजारी

29/6/61



-3-

अंवल कार्यालय कांके

बिक्री वाली जमीन कांके अंवल के अन्तर्गत पड़ता है। जो कांके अंवल पदाधिकारी के वाके है एवं अंवल कार्यालय कांके के रजिस्टर II पर दर्ज है। एवं प्रति वर्ष कर देते आ रहे है।

म ज म न

विदित हो कि विक्रीवाली जमीन लेख्यकारी का पूर्ण दखल कब्जा पर है। यह जमीन खतीयान मे लेख्यकारी के दादा शेख पनु वो शेख धनु पेशवान शेख अकबर वगैरे के नाम से दर्ज है। परन्तु बकब्जे शेख पनु वो शेख धनु बहिस्से बराबर दर्ज है। कुछ वर्ष बाद शेख धनु नावलद मर गये। इसी लिये उनका हिस्से का जमीन बड़ा भाई शेख पनु को मिला। शेख पनु के मृत्यु के बाद उनका तीन पुत्र 1- शेख ब्रधम अनसारी 2- शेख सलीम अनसारी 3- शेख सुलेमान अनसारी उत्तराधिकारी हुए। इन तीनों भाइयों के बीच खतीयानी जमीन का आपसी वटवारा हो गया। शेख ब्रधम अनसारी का भी मृत्यु के बाद उनका तीन पुत्र एवं एक पुत्री 1- मौवीन अनसारी 2- उसमान अनसारी 3- जहाँरुद्दीन अनसारी एवं 4- तहाराज अनसारी उत्तराधिकारी हुए। इन लोगों के बीच भी जमीन भी जमीन का आपसी वटवारा कर अपना-अपना हिस्से की जमीन पर खेती करते आ रहे है।

इधर स्पया का अत्यन्त जल्दी के कारण अहीरुद्दीन अनसारी अपना पुत्र 1- वाजूल अनसारी उम्र 18 वर्ष 2- रेआजूल 3- नुसरत 4- नुजाहत 5- रुकानाज सभी नावालीग के सहमति पर उपरो लिखित रूपया लेकर विक्री कर रहे हैं।

शेख धनु अनसारी
5/1/57



(१६/१९७६)

-4-

एवं पुत्रो जुवदा से भी विक्री हेतु राय परामर्श एवं सहमति प्राप्त हो गया है। सभी नावालीग सदस्यों का उनके पिता जहीरुद्दीन अनसारी अभिभावक हैं। अब वाजुल अनसारी एवं विक्रेता क्रेता से नगद स्पया पाकर रजिस्ट्री हेतु आज दिनांक 29/6/54 ई० को निबंधन पदाधिकारी के यहाँ पट्टा दाखिल करते हैं। क्रेता के पक्ष में रजिस्ट्री किया जाय।

सं द र्भ

विदित हो कि विक्रेता को अपना घर गृहस्थी, पारिवारिक व्यय और अन्य उचित कार्यों के लिए स्पया की आवश्यकता है और इस हेतु और अभिप्राय से उपर स्तम्भ 6 में वर्णित शराजी को विक्री करने की इच्छा व्यक्त की जिसे खरीददार राशि 23,000/- रुपये मात्र प्रतिफल के बदले खरीदने को तत्पर हुए और उक्त राशि को विक्रेता उचित और पर्याप्त मानकर उक्त भूमि को सब प्रकार के ऋण भार और देन से मुक्त विक्री करने को राजी हुए।

अतः इस विक्रय पत्र द्वारा प्रतिपादित किया जाता है कि:-

- 1- कि विक्रेता अपने तन मन की स्वस्थ अवस्था में अपने हित और लाभ का विचार कर अपने विवेक और स्वेच्छा से बिना किसी अन्य के डराव, धमकाव, बहकाव, दबाव, या फुसलाव के उक्त भूमि शराजी रकवा स्तम्भ 6 में दर्ज है को उक्त कारणों और उक्त प्रतिफल की राशि मो० 23,000/- स्पया के बदले सब प्रकार के ऋण भार और देन से मुक्त क्रेता के हाथ बेचा,

जहीरुद्दीन अनसारी
29/6/54



-5-

हस्तांतरित कर दिया और सौंप दिया। उक्त भूमि के साथ उससे सम्बंधित सभी हक, स्वत्व, अधिकार, दखल, लाभ सुविधा रास्ता आदि भी क्रेता को हस्तान्तरित किया और उन्हें प्राप्त हुआ।

2। प्रतिफल की कुल राशि 23,000/- रु मात्र क्रेता से विक्रेता को विक्रय पत्र के निष्पादन के दिन भुगतान किया। जिसकी प्राप्ति और वसूली इस लेख्य पत्र द्वारा विक्रेता कबूल मंजूर वो सम्पुष्ट करते है अब और किसी प्रकार का कोई पावना या बाकी बकाया नहीं रहा।

3। और यह कि विक्रीगत भूमि सब प्रकार के ऋण भार, दावा आदि से सर्वथा मुक्त है शुद्ध, स्वच्छ, निर्मूल, निर्विकार, निर्वैर और निर्विरोध है किसी अन्य का दावा, हक, अधिकार, दखल उक्त भूमि पर नहीं है और न रहेगा हम या हमारे उत्तराधिकारी अथवा अन्य कोई कभी किसी प्रकार का हक, दावा, अधिकार जतावे तो यह अनुचित निर्मूल, निरर्थक, और तथ्यहीन समझा जायेगा।

4। यह कि अब से उक्त भूमि पर जो कुछ भी स्वत्व, स्वामित्व, अधिकार हित और प्रभुत्व तथा उसकी कुल प्राप्ति लाभ, उपज सुख और सुविधा सदा के लिये क्रेता को प्राप्त हुआ और वंशानुगत प्राप्त होता रहेगा।

5। और यह कि विक्रेता वचन देते है कि यदि विक्रेता की दुर्भावना या दुराशय अध्यागलती के कारण विक्रीगत भूमि या अंश से खरीददार को

राजेश्वर
29/6/54



-6-

बोधित होना पड़े या हानि उठानी पड़े तो ऐसी दशा में विक्रेता कुल हानि और व्यय देने को बाध्य होंगे। अथवा खरीददार उसे उनकी अन्य सम्पत्ति से वसूल कर लेंगे।

6। और यह कि विक्रेता भरोसा दिलाते हैं कि आगे कभी उक्त भूमि से सम्बंधित कोई परिपूरक पत्र लिखते अथवा सरकारी या गैर सरकारी कार्यालयों में आवश्यकता होगी तो विक्रेता खरीददार के खर्च पर वे कुल काम काज और सहायता करने को उद्यत रहेंगे जो सभी चीज और कार्य साध्य होगा।

7। क्रेता अब से उक्त सम्पत्ति के पूर्ण स्वामी और दखलदार हुए और अपनी हित में जैसा चाहे भवन अदालिका, कूप निर्माण कराये, बाग- बगीचा लगावे या उसे बैय, विक्री, रेहन, दान, मकफूल वगैरह करें सब कुछ करने के लिए सामर्थ्य हैं। इसमें हमें या हमारे परिवार वालों अथवा अन्य किसी को कोई अनुरोध या विरोध नहीं होगा। यदि कोई विरोध करें तो वह अवैध और अनुचित होगा।

8। यह है कि यह भूमि खतियानी खेतीहर जमीन है और अभी भी खेती होती है एवं 1976 के अनुसार रॉची नगर निगम क्षेत्र से बाहर पड़ता है।

9। क्रेता अब अपने नाम का दाखिल खारीज अंवल कार्यालय को के तथा अन्यत्र जहाँ कहीं आवश्यकता हो करा लेंगे।

अखिल भारतीय अन्वय
29/6/77



-7-



क्रेता महोदय सकल जरसम्मन की राशि 23,000/- खेया नगद भुगतान करते हैं।

साक्षी स्वल्प उपर निर्दिष्ट तिथि मास और वर्ष को अपने हस्ताक्षर से विक्रेता प्रमाणित करते हैं।

प्रमाणित किया जाता है कि उपर्युक्त विवरणी की जमीन खतियान के अनुसार सरकारी जमीन नहीं है न ही सरकार द्वारा अधिग्रहण सैनिक या असैनिक कार्यों के लिए किया गया है न ही भूदान की जमीन है यह वन सीमा से बाहर है तथा बी०सी०सी०एल या ई०सी०एल की भी जमीन नहीं है।

यह भी प्रमाणित किया जाता है कि यह भूमि आदिवासी खाते की नहीं है न ही आदिवासी से सम्बंधित है जमीन मिलिग से मुक्त है क्वीवाली जमीन मठ, मंदिर, गिरजा, मस्जिद, सरना, मसना, हडगडी, पहनई की नहीं है। यह भुईहरी, खुटकी या खासमहल की भी नहीं है। यह पशुपालन या भूमि घोटाला से सम्बंधित नहीं है। यह सरकारी या अर्द्धसरकारी संस्थान में बंधक नहीं है। इस आशय की एक शपथ पत्र जिसकी सं० 453 दिनांक 29/6/57 ई० साथ संलग्न है।

जए/रुप/न/प्र/भारत
29/6/57



-8-



प्रथम दस्तावेज एवं द्वितीय प्रति एक दुसरे के हु-ब-हु एवं
सच्ची प्रतिलिपि है।

जहीराम अनन्दाजी
29/6/04

गवाह का हस्ताक्षर

1

नाम ~~जहीराम अनन्दाजी~~ विक्रेता का हस्ताक्षर
मोदी अनन्दाजी
वसुध कल्याण मण्डल
29/6/04

2 बिष्टी पहलन
29/6/04

जमनाम बाई
29/6/04

तंकक
जी लाल

डाफ्टकर्ता:- Ranjitmani
29/6/04
Advocate

कामेश्वर
G. S. S. S.
29. 6. 04

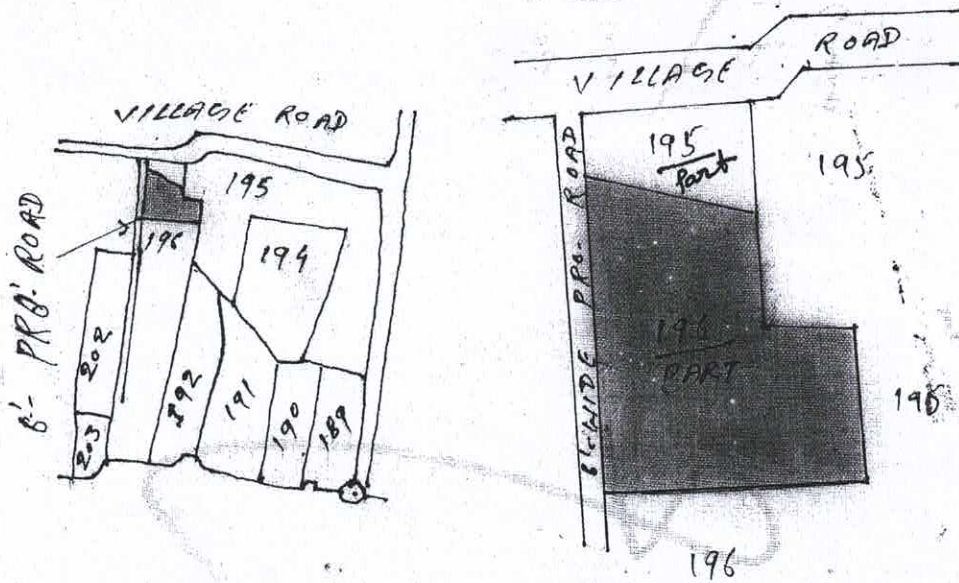
Ranjitmani
29. 6. 04

N
 VILLAGE KADAL THANA & DIST. RANCHI.
 THANA No. 165. A.S. PLOT NO. 196 (PART)
 AREA: 1 1/4 DECIMAL. AREA SHOWN
 IN RED WASH. NOT TO SCALE.

ORIGINAL

Certificate that the original and
 duplicate maps are correct. Give
 copy to each other's. M. H.

श्री हरि प्रदीप प्रसाद
 29/6/04

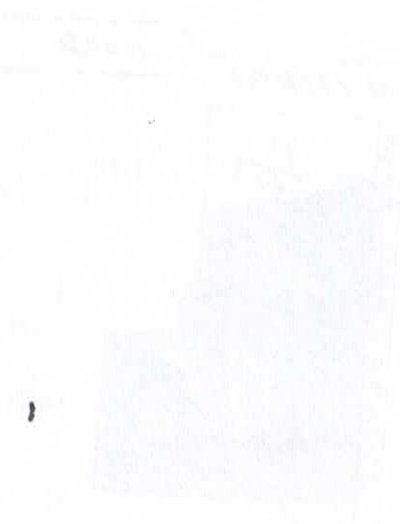


Copy by
 M. H.

Handwritten text at the top of the page, possibly a title or header, which is mostly illegible due to fading.

Handwritten text in the upper middle section, appearing to be a list or set of instructions.

Handwritten text in the middle section, possibly a paragraph or a section heading.



Handwritten text at the bottom right of the page, possibly a signature or a date.

CORRECTION SLIP SHOWING MUTATION IN RESPECT OF YEANCI ESTATES IN GOVERNMENT

District YPR Sub-division YPR Circle/Anchal YPR Taluk YPR Mauzi Mundeel YPR Halka YPR

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
Mutation No. in Register	Village	Yanai and Thana Number	Number of tenancy to which the mutation refers	Authority sanctioning mutation with date of order	Whether mutation is due to sale gift or other mode of succession or partition	Full details of exchanges effected by mutation	Date of sanction of the Halka Registrar by the Karmachari	Remarks	
420 R23/05-06			165	Asst. Adm. Officer B.S.I.	Asst. Adm. Officer N.H. 1067

Memo No.

Date

Forwarded to the Karmachari, Halka No. for information any necessary action

Circle Officer/Anchal [Signature]
 Circle Anchal Adhikari [Signature]

128 E

KHATTIAN

Form 1 Lower half

Name of the holder: ...
Date: ...

Area: ...
Dist: ...

Plot No: ...
Thana Number: ...

Area of the land in acres: ...
Date: ...

Signature: ...

Date: ...

1. ...

2. ...

3. ...

4. ...

5. ...

6. ...

7. ...

8. ...

9. ...

10. ...

11. ...

12. ...

13. ...

14. ...

15. ...

16. ...

17. ...

18. ...

19. ...

20. ...

21. ...

22. ...

23. ...

24. ...

25. ...



Stamp: ...

Stamp: ...

Stamp: ...

Stamp: ...

Stamp: ...

Stamp: ...

10/1/19

